राजकीय महाविद्यालय लक्सर, हरिद्वार

नमामि गंगे
आख्या पुस्तिका

2021

नमामि गंगे प्रकोष्ठ

राजकीय महाविद्यालय लक्सर
जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

Shot on Y17
Vivo AI camera

भारत सरकार का नमामि गंगे कार्यक्रम

भारत सरकार ने राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों में प्रदूषण कम करने, इनके संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए 20,000 करोड़ के बजट के साथ जुलाई 2014 में नमामि गंगे कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत, घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, ठोस अपशिष्ट सहित प्रदूषण कम करने, नदी तट प्रबन्धन, अविरल धारा, ग्रामीण स्वच्छता, जैव–विविधता संरक्षण इत्यादि गतिविधियाँ शामिल है। इस परियोजना की अवधि 18 वर्ष है। 1.6 मिलियन वर्ग किमी0 क्षेत्रफल में फैले गंगा बेसिन क्षेत्र से देश की 40 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष रुप से सम्बद्ध है। ऐसे में गंगा जल की गुणवत्ता को बनाये रखना और इसे स्वच्छ रखना हम सबका साझा दायित्व है।

गंगा स्वच्छता के इसी संकल्प को लेकर राजकीय महाविद्यालय लक्सर का नमामि गंगे प्रकोष्ठ सतत् प्रयासरत् है।

डॉ० छाया चतुर्वेदी
प्राचार्या

संदेश

मूलतः जल, वायु और जीवन के अनुकूल तापमान पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति के कारण माने जाते हैं। प्राकृतिक संसाधनों में वायु के बाद जल का ही स्थान है। धरती का 70 प्रतिशत से अधिक भाग जल से आच्छादित होने के बाद भी मनुष्यों के प्रयोग हेतु कुल जल का लगभग 0.6 प्रतिशत भाग की मृदु जल है और इस सीमित जलराशि का काफी हिस्सा भी मनुष्य के क्रियाकलापों द्वारा प्रदूषित हो चुका है।

गंगा नदी भारत की पवित्र नदी होने के साथ–साथ इस देश की जीवन रेखा तथा भारतीयता की पहचान है। हमारे देश की परम्परा रही है कि हम भारतीय प्रकृति का अत्यंत सम्मान करते हैं। इस परम्परा का पालन करके ही हम विश्व शान्ति एवं वसुधैव कुटुम्बकम को प्राप्त कर सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण एवं संबर्धन को अपनी कर्मयोजना में समाहित करने का संकल्प हैं ''नमामि गंगे''।

आज कोरोना संकट ने हमें ऑक्सीजन और श्वासों के सम्बंध को महसूस ही नहीं कराया वरन हमारे अस्तित्व को नेस्तानाबूद करने की भी चेतावनी दी है। पारिस्थितिक तंत्र के अवयवों जैसे जल, मिट्टी, वायु आदि से ही हम बने है तथा मृत्यु पश्चात भी हम इन्हीं में समाहित हो जाऐंगे। अतः जब तक जीवन है तब तक जीवन प्रदान करने वाले इन घटकों की जीवनी शक्ति बढ़ाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। आइए नमामि गंगे अभियान को हम अपनी कर्म योजना में शामिल कर अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़े तथा भारतीयता की पहचान गंगा के निर्मल, पवित्र एवं मोक्षदायिनी अस्तित्व को कायम रखने के अपने भागीरथी प्रयास को अवश्य सुनिश्चित करें।

Chaya

डॉ० छाया चतुर्वेदी
प्राचार्या, राजकीय महाविद्यालय
लक्सर, हरिद्वार

आभारोक्ति

गंगां वारि मनोहारि मुरारिचरणच्युतम् ।
त्रिपुरारिशिरश्चारि पापहारि पुनातु माम् ।।

सुव्यवस्थित कार्य योजना, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से ही लक्ष्य की प्राप्ति होती है। भारत के जनप्रिय प्रधानमंत्री माननीय '**श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी**' ने गंगा की स्वच्छता और इसमें प्रदूषण समाप्त करने के संकल्प के साथ जुलाई 2014 में 'नमामि गंगे' कार्यक्रम की शुरुआत की। माननीय प्रधानमंत्री जी के इस भागीरथी प्रयास के लिए उनका बारम्बार अभिनन्दन और अभिवादन है। गंगा की उत्पत्ति का प्रदेश उत्तराखण्ड भी 20,000 करोड़ रुपये की लागत से संचालित होने वाली नमामि गंगे परियोजना का अहम हिस्सा है। उत्तराखण्ड सरकार ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के इस कार्यक्रम को जन–जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक कार्य योजना बना कर विभिन्न प्रकार की सूचना, शिक्षा और संचार सम्बंधी गतिविधियों (IEC) का आयोजन किया है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत आईईसी गतिविधियों के लिए राजकीय महाविद्यालय, लक्सर, हरिद्वार को चयनित करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन **श्री पुष्कर सिंह धामी** तथा उच्च शिक्षा मंत्री माननीय **डॉ0 धन सिंह रावत** जी का हम राजकीय महाविद्यालय परिवार, लक्सर हार्दिक आभार प्रकट करते है।

आईईसी की विभिन्न गतिविधियों के संचालन में समय–समय पर अपने बहुमूल्य विचारों से हमें मार्गदर्शन प्रदान करने वाले **श्री पूरन चन्द कापड़ी**, संचार विशेषज्ञ, राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे, देहरादून के प्रति हम अनुगृहीत है। साथ ही सहायक श्री दुर्गा प्रसाद जी के सहयोग के लिए भी हम उनका धन्यवाद ज्ञापित करते है।

महाविद्यालय में नमामि गंगे योजना के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन में महाविद्यालय की प्राचार्या **डॉ0 छाया चतुर्वेदी** के निर्देशन और सहयोग ने अहम भूमिका निभायी है। इसके लिए हम प्राचार्या महोदया के प्रति कृतज्ञ है। महाविद्यालय में नमामि गंगे प्रकोष्ठ की सचिव और मेरी सहयोगी डॉ0 कनुप्रिया, असिस्टेण्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र ने विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन को अपने कठिन परिश्रम और तकनीकी सहयोग से सफलता के मुकाम तक पहुँचाया है। **डॉ0 कनुप्रिया** जी के धन्यवाद के लिए मेरे शब्दकोष रिक्त से लग रहे है।

इसके साथ ही मैं पूरे महाविद्यालय परिवार के प्रति भी अपना आभार प्रकट करता हूँ।

धन्यवाद ।

गंगा तीर्थानां परम तीर्थ
नदीनां परमा नदी

डॉ0 अंजनी प्रसाद दूबे
संयोजक, नमामि गंगे प्रकोष्ठ
राजकीय महाविद्यालय,
लक्सर, हरिद्वार

गंगा स्वच्छता अभियान

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय	पृष्ठ संख्या
•	भारत सरकार का नमामि गंगे कार्यक्रम	3
•	आभारोक्ति	5
1.	गंगा, वन और जल संरक्षण की शपथ	8
2.	हस्ताक्षर अभियान	10
3.	नमामि गंगे जैव वाटिका का निर्माण	11
4.	रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता	14
5.	जन-जागरूकता रैली	16
6.	क्विज प्रतियोगिता	19

क्र.	विषय	पृष्ठ संख्या
7.	नुक्कड़ नाटक	20
8.	गंगा तट पर स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण	22
9.	निबन्ध प्रतियोगिता	24
10.	ऑन लाइन क्विज और योग प्रतियोगिता 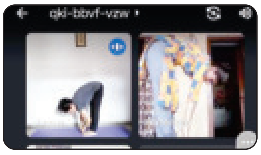	24
11.	नृत्य प्रतियोगिता	25
12.	दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी 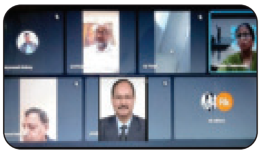	26
•	विजेताओं की सूची	28
•	विभिन्न समाचार पत्रों में कार्यक्रम	30

❍❍❍

॥ गंगे रक्षित रक्षितः ॥

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे, उत्तराखण्ड द्वारा ''गंगा स्वच्छता और संरक्षण'' हेतु राजकीय महाविद्यालय लक्सर के माध्यम से गंगा के तटवर्ती भागों में जल संरक्षण, स्वच्छता और कोविड–19 के बचाव एवं जानकारी हेतु विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 15 मार्च 2021 से प्रारम्भ इन कार्यक्रमों का विवरण अधोलिखित है –

1

गंगा, वन और जल संरक्षण की शपथ

नमामि गंगे कार्यक्रम अन्तर्गत (आईईसी) के तहत आयोजित होने वाली, विभिन्न गतिविधियों की शुरुआत दिनांक 15 मार्च 2021 को महाविद्यालय में 'गंगा की स्वच्छता की शपथ' के साथ हुयी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नोडल अधिकारी और प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय खानपुर प्रोफेसर कुलदीप सिंह नेगी हरिद्वार रहे। उन्होंने गंगा के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्र/छात्राओं से विभिन्न जल स्रोतों के प्रति सतर्क और संवेदनशील होने के प्रति सचेत किया। ◆◆◆

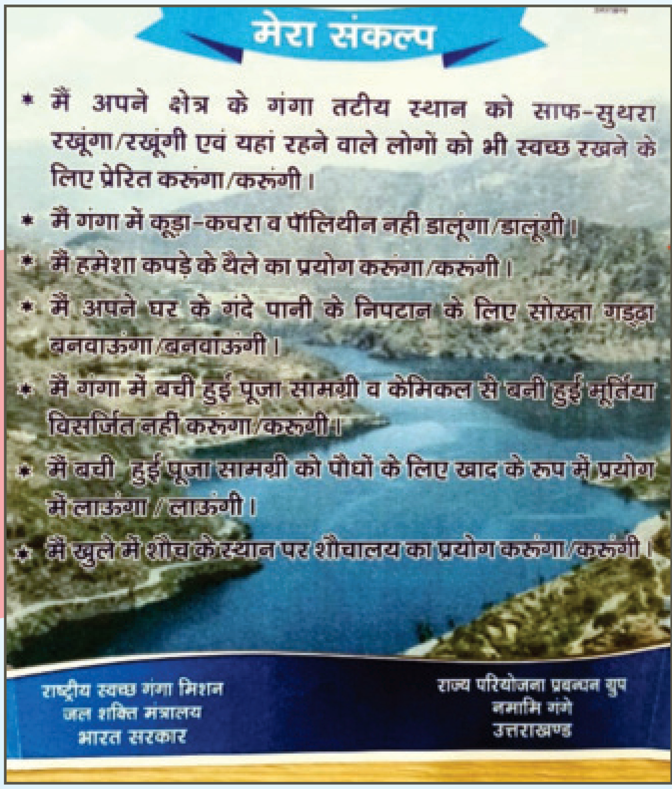
मेरा संकल्प
* मैं अपने क्षेत्र के गंगा तटीय स्थान को साफ-सुथरा रखूंगा/रखूंगी एवं यहां रहने वाले लोगों को भी स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करूंगा/करूंगी।
* मैं गंगा में कूड़ा-कचरा व पॉलिथीन नही डालूंगा/डालूंगी।
* मैं हमेशा कपड़े के थैले का प्रयोग करूंगा/करूंगी।
* मैं अपने घर के गंदे पानी के निपटान के लिए सोख्ता गड्ढा बनवाऊंगा/बनवाऊंगी।
* मैं गंगा में बची हुई पूजा सामग्री व केमिकल से बनी हुई मूर्तियां विसर्जित नही करूंगा/करूंगी।
* मैं बची हुई पूजा सामग्री को पौधों के लिए खाद के रूप में प्रयोग में लाऊंगा / लाऊंगी।
* मैं खुले में शौच के स्थान पर शौचालय का प्रयोग करूंगा/करूंगी।
राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप
नमामि गंगे
उत्तराखण्ड

राजकीय महाविद्यालय लक्सर
जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

नमामि गंगे
राजकीय महाविद्यालय लक्सर (हरिद्वार)

2

हस्ताक्षर अभियान

जन सामान्य को गंगा तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने और उनकी भावनाओं के प्रकटीकरण के लिए दिनांक 16 मार्च से 30 मार्च 2021 तक लक्सर के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। महाविद्यालय की छात्र/छात्राओं ने गांव–गांव और घर–घर जाकर लोगों को 'गंगा, पर्यावरण और कोविड–19' के प्रति एक सजग नागरिक के कर्त्तव्यों का स्मरण कराया। लोगों से प्राप्त हस्ताक्षर को संकलित कर एक पुस्तिका के रुप में राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे, उत्तराखण्ड को प्रेषित किया जा रहा है। ◆◆◆

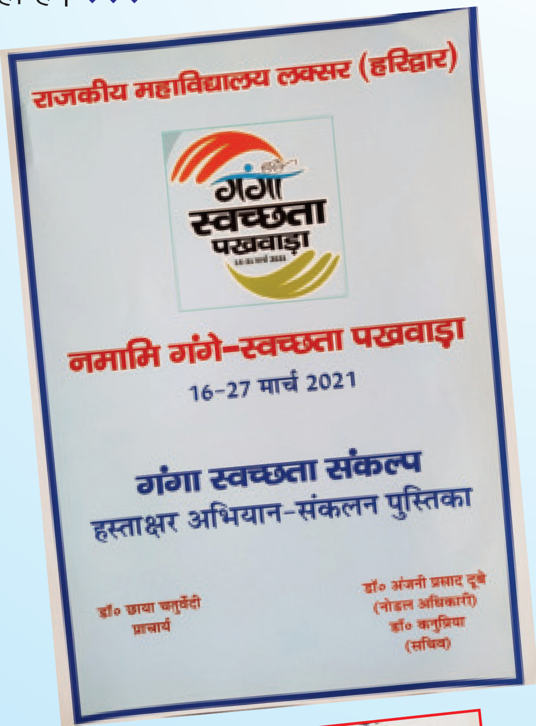

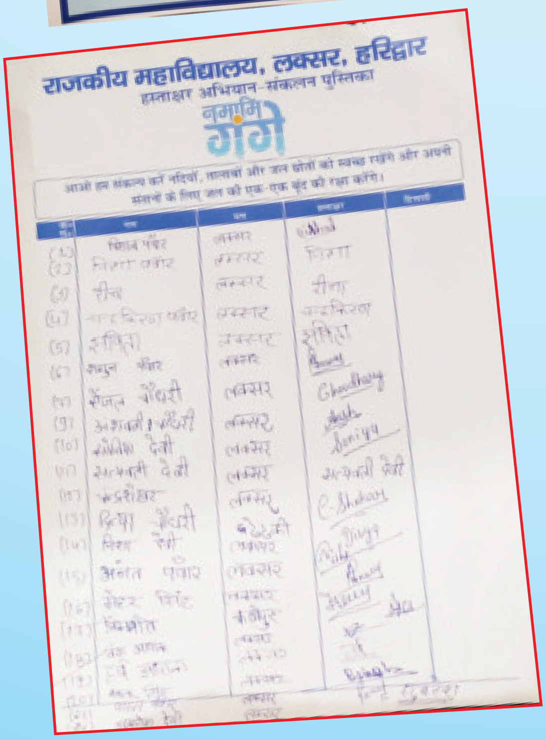

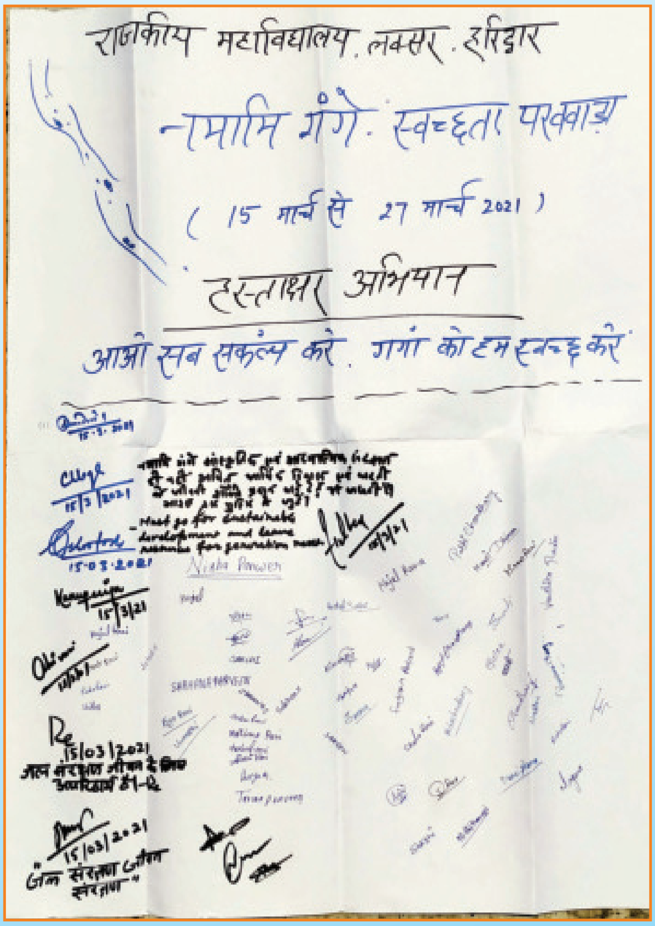

3

नमामि गंगे जैव वाटिका का निर्माण

वनस्पतियाँ जीवधारियों की आहार श्रृंखला का आधार है। जीवों के लिए वनस्पतियों का बहुपयोगी महत्व सर्वविदित है। इसके साथ ही जल संरक्षण में वनस्पतियों की महती भूमिका है। इसी संकल्पना को मूर्त रूप देने लिए महाविद्यालय में नमामि गंगे जैव वाटिका का निर्माण छात्र/छात्राओं द्वारा किया गया। इस वाटिका में पौधारोपण का प्रारम्भ दिनांक 16 मार्च 2021 से हुआ। इसमें गुलाब, गुड़हल, कनेर, तुलसी इत्यादि के अनेक औषधीय पौधों के रोपण का कार्य प्रारम्भ हुआ है। इस वाटिका की सुरक्षा हेतु 35000/– रुपये की लागत से लोहे की सुरक्षा जाल का निर्माण किया गया है। जिन पर गंगा संरक्षण से सम्बंधित **सूक्त उकेरे गये** है। पौध रोपण के कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 छाया चतुर्वेदी, नमामि गंगे प्रकोष्ठ की सचिव डॉ0 कनुप्रिया, डॉ0 श्यामकुमार, डॉ0 आशुतोष शरण, श्री रामकृपाल वर्मा संयोजक नमामि गंगे डॉ0 ए0पी0दूबे के साथ छात्र/छात्राओं ने सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय की नवनिर्मित नमामि गंगे जैव वाटिका का उद्घाटन दिनांक 12.08.2021 को निदेशक उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड प्रो0 पी0के0पाठक जी द्वारा किया गया। उन्होंने इस वाटिका में पारिजात और मोरपंखी के पौधों का रोपण भी किया।

Shot on Y17
Vivo AI camera

ot on Y17
vo AI camera

Shot on Y17

4

रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता

गंगा एवं इसकी सहायक नदियों में प्रदूषण मुक्त करने, पर्यावरण संबर्धन तथा कोविड–19 के प्रति सुरक्षा मानकों के पालन के प्रति नव–चेतना जागृत करने के उद्देश्य से महाविद्यालय की छात्र/छात्राओं द्वारा पोस्टर तथा रंगोली निर्माण का कार्य दिनांक 18 मार्च 2021 को किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में चार छात्रा समूहों ने प्रतिभाग किया। जिसमें पाखी चौधरी, स्वाति, आरजू, आंशू, तनु तथा काजल के ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में बी0ए0 पंचम सेमेस्टर की पाखी चौधरी प्रथम, कोमल द्वितीय तथा सीमा रानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्य पोस्टर भी काफी आकर्षक एवं संदेशमूलक रहें।

गंगा तेरा पानी अमृत
नमामि गंगे

SAVE TREE'S
SAVE LIFE

NAMAMI GANGE

5

जन–जागरूकता रैली

लक्सर के नागरिकों को गंगा स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागृत करने के लिए 19 मार्च 2021 को सिमली क्षेत्र से जन–जागरूकता रैली की शुरुआत हुयी। गंगा को प्रदूषण से मुक्त करने के संकल्प के साथ इस रैली की शुरुआत लक्सर के उप–जिलाधिकारी **श्री एस0 नेगी** ने हरी झण्डी दिखाकर की। उन्होंने उत्तराखण्ड के निवासियों को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि गंगा की स्वच्छता के प्रति हम सब पर अधिक दायित्व है। यह देव भूमि गंगा की उत्पत्ति भूमि के साथ ही पंच प्रयागों से सुशोभित है। उन्होंने नगरीय और औद्योगिक कचरे को नदियों में गिरने से पहले उनके उचित निपटान पर बल दिया। गंगा स्वच्छता की अलख जगाती यह रैली लक्सर बाजार के विभिन्न हिस्सों से होती हुयी पुनः सिमली (लक्सर) में समाप्त हुयी। इस जन–जागरूकता रैली में 100 से अधिक छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय के श्री राम कृपाल वर्मा, डॉ0 कनुप्रिया, डॉ0 श्याम कुमार, शिवानी प्रजेश, डॉ0 ए0 पी0 दूबे पूरे रैली में साथ रहकर छात्र/छात्राओं का उत्साहवर्द्धन करते रहे। पूरी रैली में लक्सर नगरवासियों को दो नारों/स्लोगन को लेकर विशिष्ट आकर्षण देखने को मिला –

रैली के समापन पर सभी प्रतिभागियों के लिए सूक्ष्म जलपान का आयोजन किया गया। इस रैली को सकुशल सम्पन्न करने में स्थानीय पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ।

राजकीय महाविद्यालय लक्सर-हरिद्वार
नमामि गंगे, स्वच्छता पखवाडा
वन और जल जब बचायेंगे।
तभी स्वास्थ्य रह पायेंगे॥

राजकीय महाविद्यालय लक्सर-हरिद्वार
नमामि गंगे, स्वच्छता पखवाडा
वन और जल जब बचायेंगे।
तभी स्वास्थ्य रह पायेंगे॥

नमामि गंगे, स्वच्छता पखवाडा

नमामि गंगे, स्वच्छता पखवाडा
वन और जल जब बचायेगें।
तभी स्वास्थ्य रह पायेगें॥

6

क्विज प्रतियोगिता

गंगा, पर्यावरण और कोविड–19 के मूल विषय को लेकर दिनांक 22 मार्च 2021 को महाविद्यालय में बजर आधारित क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें छात्र/छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इस क्विज प्रतियोगिता में कुल 8 छात्र/छात्राओं के समूह (ग्रुप) ने भाग लिया। इन ग्रुपों के नाम विभिन्न नदियों के नाम पर रखे गये। जैसे–गोदावरी ग्रुप, सरयू ग्रुप, कावेरी ग्रुप, नर्मदा ग्रुप इत्यादि। इस प्रतियोगिता में यमुना ग्रुप की छात्रायें–निशा, नगमा और रूबिना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि सिन्धु ग्रुप की छात्राऐं – सपना, हिमांशी और हुमा प्रवीन ने द्वितीय स्थान पर अपना कब्जा जमाया। गंगा स्वच्छता के संकल्प के साथ यह प्रतियोगिता समाप्त हुई। इसके निर्णायक मण्डल में श्री आर0 के0 वर्मा, डॉ0 कनुप्रिया तथा डॉ0 श्याम कुमार शामिल रहें।

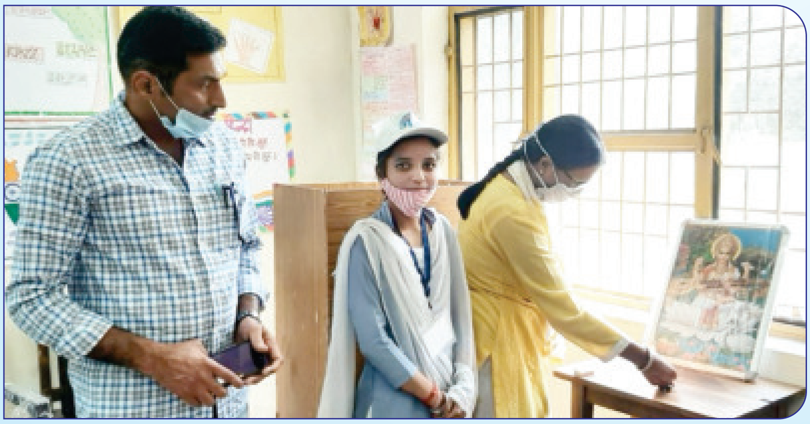

7

नुक्कड़ नाटक

राजकीय महाविद्यालय लक्सर, हरिद्वार की छात्राओं–पाखी चौधरी, काजल, आशु, आरजू, मनीषा, मानसी धीमान्, स्वाति इत्यादि ने स्थानीय भाषा में गंगा एवं जल संरक्षण को लेकर लक्सर बाजार के बस स्टैण्ड, रुड़की बस स्टैण्ड चौराहों एवं गांवों में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस नुक्कड़ नाटक को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। छात्राओं की प्रस्तुति अत्यन्त प्रभावशाली रहीं और वे गंगा स्वच्छता का संदेश जन–जन तक पहुंचाने में सफल रही। श्री आर0के0वर्मा, डॉ0 कनुप्रिया और डॉ0 श्यामकुमार का सहयोग नुक्कड़ नाटक के मंचन में प्राप्त हुआ।

राजकीय महाविद्यालय लक्सर हरिद्वार
नमामि गंगे स्वच्छता पखवाडा

कार्यालय
राजकीय महाविद्यालय लक्सर-हरिद्वार
नमामि गंगे, स्वच्छता पखवाडा
वन और जल जब बचायेंगे।

राजूभाई चाट वाले

8

गंगा तट पर स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण

26 मार्च 2021 को महाविद्यालय की छात्र/छात्राओं, प्राचार्य, प्राध्यापकों तथा कार्यालयी सहयोगियों ने महाविद्यालय से लगभग 16 किमी0 दूर बालावाली गंगा तट पर पहुंच कर पूरे दिन तटवर्ती भागों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया। इसके साथ ही स्थानीय वन विभाग के सहयोग से प्राप्त विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों का रोपण भी कटान वाले भागों में किया।

इसके साथ जन–जागरण के लिए ''**पूजा है धर्म, दीन है ईमान है गंगा मर्यादा है इस देश कि पहचान है गंगा**'' जैसे गीत से लोगों को गंगा स्वच्छता के प्रति जागृत करने का कार्य किया।

श्री आर0 के0 वर्मा ने लोगों को गंगा के महत्व को समझाते हुए इसे प्रदूषण मुक्त करने की शपथ दिलायी।

9

निबन्ध प्रतियोगिता

गंगा स्वच्छता, बढ़ता जल प्रदूषण एवं पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति छात्र/छात्राओं ने अपने विचार निबन्ध लेखन के माध्यम से साझा किये। इसके विषय थे – 1. कोविड–19 एवं पर्यावरण संरक्षण, 2. आधुनिक जीवन शैली और योग, 3. अविरल एवं निर्मल गंगा। निबन्ध लेखन का कार्य ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों से किया गया। इस प्रतियोगिता में आजम अली प्रथम, काजल द्वितीय और आरजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऑनलाइन निबन्ध प्रतियोगिता 21 जून 2021 को सम्पन्न हुयी।

10

ऑन लाइन क्विज और योग प्रतियोगिता

गंगा दशहरा एवं विश्व योग दिवस के अवसर पर 20 एवं 21 जून 2021 को गूगल फार्म के माध्यम से गंगा एवं योग विषय पर ऑन लाइन क्विज का आयोजन किया गया। इसमें 30 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसमें स्वाती रानी प्रथम, रजत कुमार द्वितीय और आजम अली तृतीय स्थान हासिल किया। क्विज प्रतियोगिता को सम्पन्न करने में डॉ0 कनुप्रिया ने विशेष तकनीकी सहयोग किया। विश्वयोग दिवस के अवसर पर नमामि गंगे प्रकोष्ठ की सचिव डॉ0 कनुप्रिया ने ऑन लाईन माध्यम से छात्राओं को योग का प्रशिक्षण दिया।

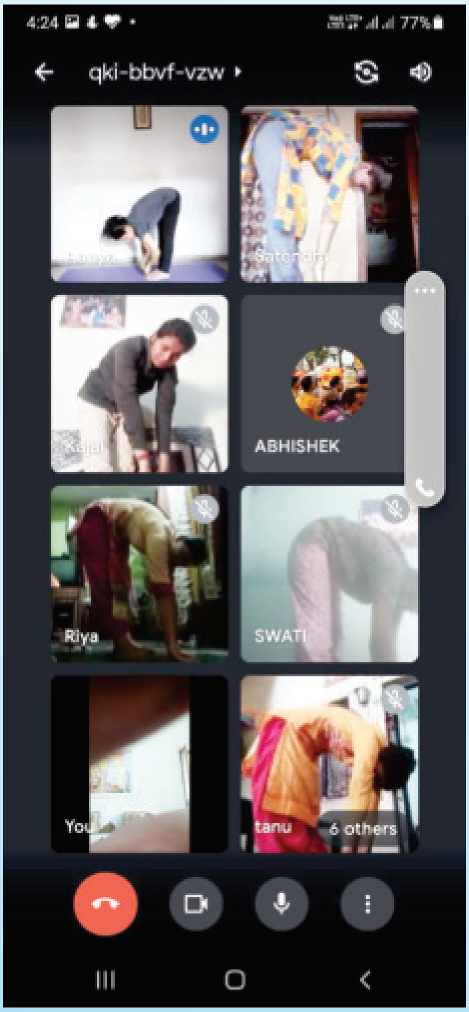

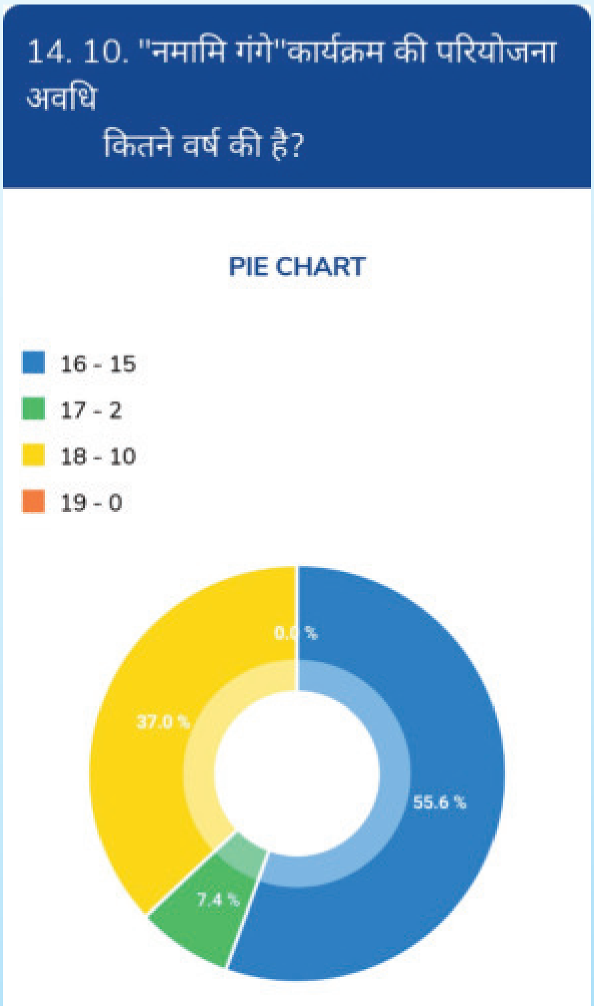

11

नृत्य प्रतियोगिता

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा (15 मार्च से 31 मार्च) के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्पन्न हुयी नृत्य प्रतियोगिता में पाखी, मनीषा, साक्षी, काजल और निशा के नृत्य सराहनीय रहें। निर्णायक के रुप में डॉ0 आशुतोष शरण ने बखूबी अपने दायित्व का निर्वाहन किया।

12

दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी

कोविड–19 के कारण परम्परागत रुप से चली आ रही व्यवस्थाओं में व्यापक परिवर्तन हुए है और मोबाइल तथा कम्प्यूटर के माध्यम से ऑन लाइन सम्पर्क एवं संवाद सहज हुए है।

नमामि गंगे कार्यक्रम अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालय लक्सर द्वारा 30 एवं 31 जुलाई 2021 को दो दिवसीय ऑन लाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। जिसका विषय ''गंगा मैदान में बढ़ता जनसंख्या दबाव तथा इसके पारिस्थितिकीय प्रभाव'' था। इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो0 पी0 पी0 ध्यानी, कुलपति, श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, नई टिहरी थे। जबकि विशिष्ट अतिथि संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड प्रो0 पी0 के0 पाठक थे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो0 पंकज पंत, प्राचार्य पं0 ललित मोहन शर्मा स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश रहें। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में उ0प्र0, बिहार, असम, झारखण्ड, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान आदि राज्यों से प्रतिभागियों ने पंजीकरण करा कर इसमें शामिल हुए। दो दिन की इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्राप्त विचारों में –

1. गंगा को यूनेस्को द्वारा संरक्षित नदी घोषित कर विश्व धरोहर में शामिल करना।
2. गंगा मैदान की उर्वरता को बनाये रखने के लिए मृदा पोषण क्रान्ति की अलख जगाना।
3. जनसंख्या नियंत्रण।
4. नदी तटीय क्षेत्रों की जैव विविधता का संरक्षण इत्यादि प्रमुख रहें।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागियों से गंगा संरक्षण पर उनके लेख / शोध–लेख आमंत्रित किए गये है। जिसे संकलित कर पुस्तक के रुप में प्रकाशित किया जायेगा।

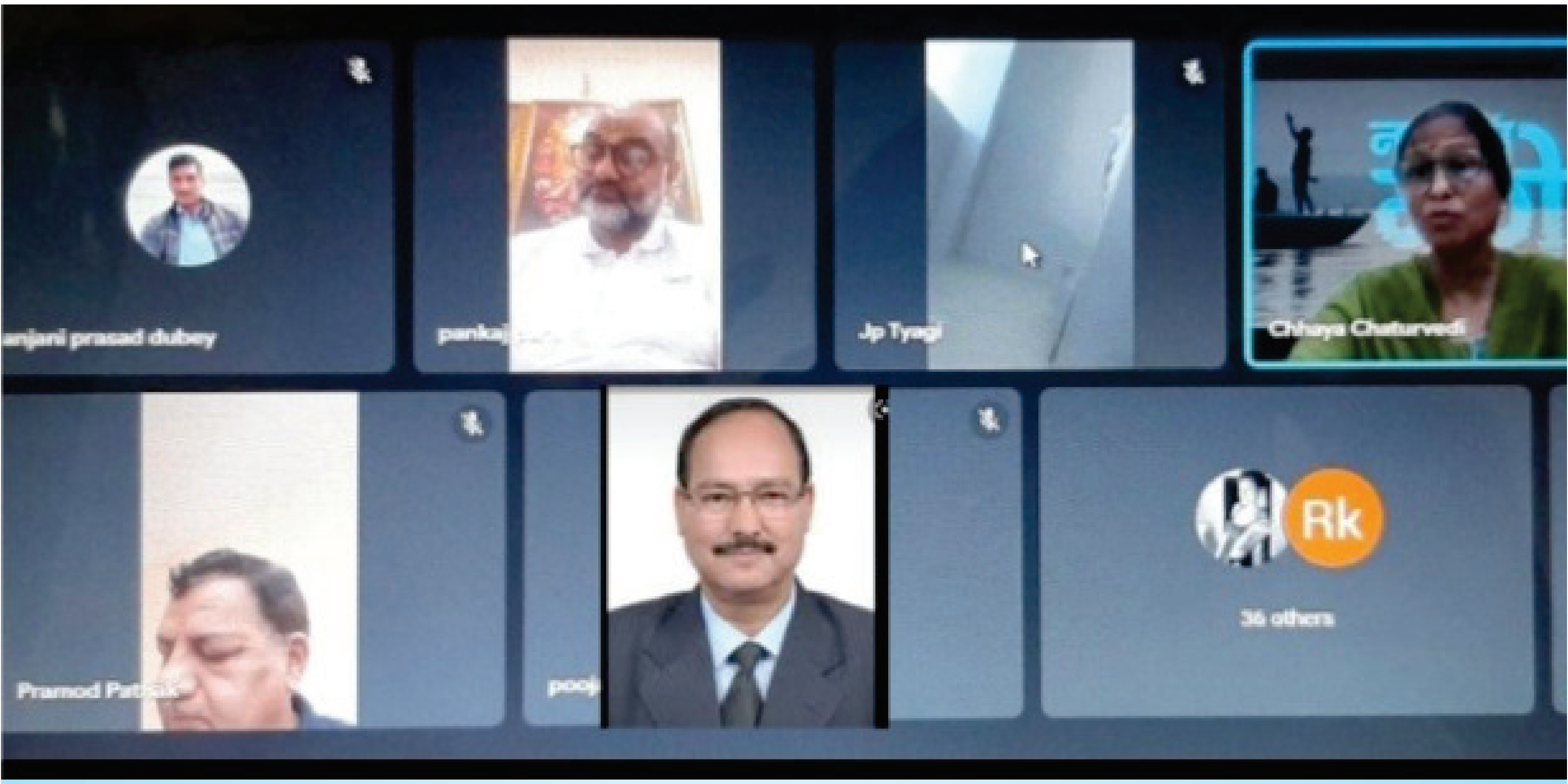
anjani prasad dubey
pankaj
Jp Tyagi
Chhaya Chaturvedi
Pramod Pathak
pooj
Rk
36 others

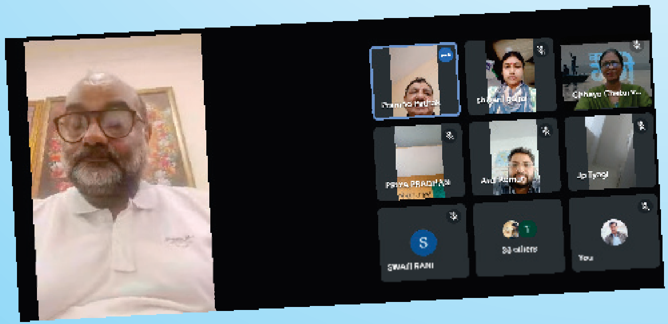

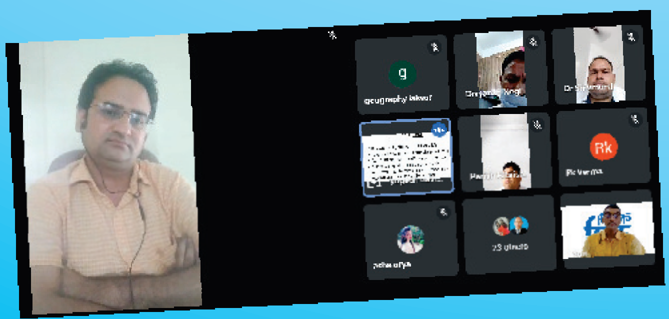

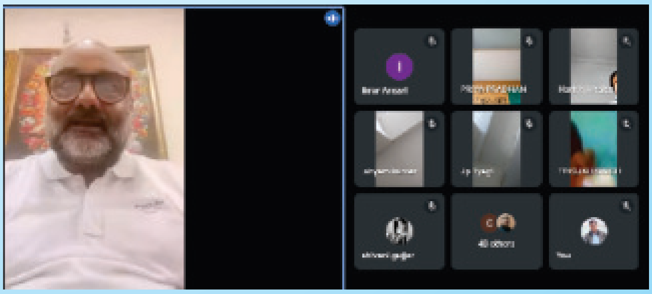

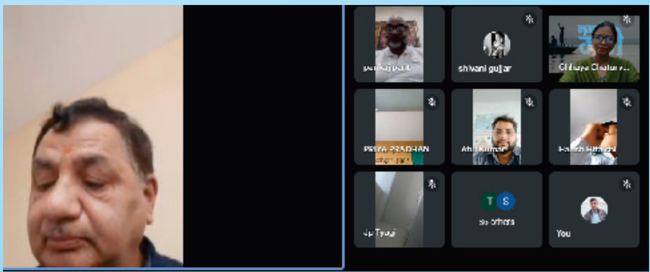

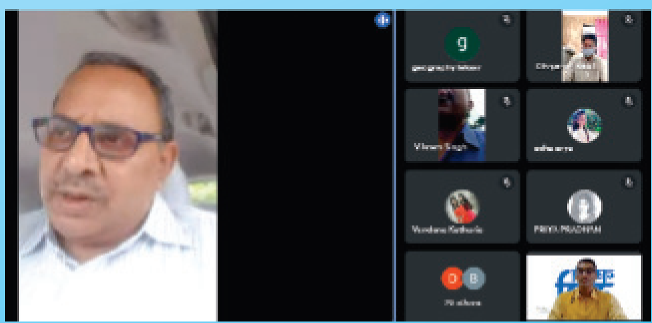

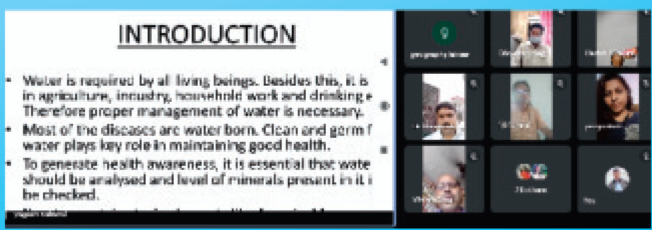
INTRODUCTION
Water is required by all living beings. Besides this, it is in agriculture, industry, household work and drinking. Therefore proper management of water is necessary.
Most of the diseases are water born. Clean and germ f water plays key role in maintaining good health.
To generate health awareness, it is essential that wate should be analysed and level of minerals present in it i be checked.

नमामि गंगे स्वच्छता पखवाड़ा (15 से 31 मार्च 2021) के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के

विजेताओं की सूची

पोस्टर प्रतियोगिता

प्रथम पाखी चौधरी सुपुत्री श्री विपुल कुमार, बी0ए0, पंचम सेमेस्टर
द्वितीय कोमल सुपुत्री श्री छोटा राम, बी0ए0 प्रथम वर्ष
तृतीय सीमा रानी, सुपुत्री श्री रामपाल, बी0ए0 प्रथम वर्ष

रंगोली प्रतियोगिता

प्रथम
1. किरन रानी सुपुत्री श्री धर्म सिंह
2. पाखी सुपुत्री श्री विपुल चौधरी
3. स्वाती सुपुत्री श्री सुभाश चन्द
4. तनु सुपुत्री श्री सीता राम
5. काजल सुपुत्री श्री श्याम कुमार

द्वितीय
1. निशा देवी सुपुत्री श्री राजकुमार
2. नगमा सुपुत्री श्री इस्लाम
3. तनु सुपुत्री श्री संजय,
4. मानसी धीमान सुपुत्री श्री नवीन
5. काजल सुपुत्री श्री धर्म सिंह

तृतीय
1. नेहा चौधरी सुपुत्री श्री देवेन्द्र कुमार
2. स्वाति सुपुत्री श्री दुश्यन्त सिंह
3. रेखा सुपुत्री श्री भोला राम
4. सपना रानी सुपुत्री श्री रामपाल
5. हिमांशी सुपुत्री श्री प्रमोद कुमार

क्विज प्रतियोगिता

प्रथम
1. निशा देवी सुपुत्री श्री राजकुमार
2. नगमा सुपुत्री श्री इस्लाम
3. रूबिना सुपुत्री श्री मुस्तफा

द्वितीय
1. सपना सुपुत्री श्री रामपाल सिंह
2. हिमांशी सुपुत्री श्री प्रमोद कुमार
3. हुमा परवीन सुपुत्री श्री एजाज खान

तृतीय
1. आरती सुपुत्री श्री मुन्नु
2. सलोनी सुपुत्री श्री रनबीर सिंह
3. रेखा सुपुत्री श्री विनोद कुमार

ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता

प्रथम – स्वाती रानी सुपुत्री श्री सुभाष चन्द, बी0ए0, तृतीय वर्ष
द्वितीय – रजत कुमार सुपुत्र श्री सुभाष चन्द, बी0ए0 प्रथम वर्ष
तृतीय – आजम अली सुपुत्र श्री इश्तियाक, बी0ए0, द्वितीय वर्ष

निबन्ध प्रतियोगिता

प्रथम – आजम अली सुपुत्र श्री इश्तियाक, बी0ए0, द्वितीय वर्ष
द्वितीय – काजल सुपुत्री श्री सतपाल सिंह, बी0ए0, द्वितीय वर्ष
तृतीय – आरजू सुपुत्र श्री विक्रम सिंह, बी0ए0, प्रथम वर्ष

नुक्कड़ नाटक

1. काजल सुपुत्री श्री श्याम कुमार, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
2. तनु सुपुत्री श्री सीता राम, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
3. आशु पंवार सुपुत्री श्री राकेश कुमार, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
4. आरजू सुपुत्री श्री आजाद सिंह, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
5. मनीषा सुपुत्री श्री वीर सिंह, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
6. मानसी धीमान सुपुत्री श्री नवीन कुमार, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
7. स्वाती रानी सुपुत्री श्री सुभाष चन्द्र, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
8. पाखी चौधरी सुपुत्री श्री विपुल चौधरी, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर

नृत्य प्रतियोगिता

प्रथम – मनीषा सुपुत्री श्री वीर सिंह, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
द्वितीय – साक्षी सुपुत्री श्री सुनील कुमार, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर
तृतीय – पाखी सुपुत्री श्री विपुल कुमार, बी0ए0 पंचम सेमेस्टर

नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों के प्रतिभागियों तथा विजेताओं को यथोचित पुरस्कार, प्रमाण–पत्र तथा सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था महाविद्यालय के नमामि गंगे प्रकोष्ठ की तरफ से समय–समय पर की गयी।

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया, की मंगल कामना के साथ ।

डॉ0 अंजनी प्रसाद दूबे

संयोजक, नमामि गंगे प्रकोष्ठ, राजकीय महाविद्यालय लक्सर, हरिद्वार

नमामि गंगे
राजकीय महाविद्यालय
लक्सर, हरिद्वार

विभिन्न समाचार पत्रों में कार्यक्रम

गंगा संरक्षण के लिए अधिक संवेदनशीलता की आवश्यकता

संगोष्ठी

- राजकीय महाविद्यालय लक्सर की ओर से संगोष्ठी का आयोजन
- अवध विवि फैजाबाद में भूगोल विषय के एसोसिएट प्रोफेसर ने रखे विचार

संवाद सूत्र, लक्सर: अवध विवि फैजाबाद में भूगोल विषय के एसोसिएट प्रोफेसर डा. अंजनी सिंह ने कहा कि गंगा क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों को गंगा और दूसरी नदियों के प्रति अधिक संवेदनशील होना होगा। गंगा के मैदानों में संसाधन और जनसंख्या के बीच तालमेल स्थापित किए जाने की भी आवश्यकता है।

वह राजकीय महाविद्यालय लक्सर की ओर से नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा क्षेत्रों में बढ़ता जनसंख्या दबाव और प्रभाव विषय पर आयोजित दो दिवसीय आनलाइन संगोष्ठी में विचार रख रहे थे। संगोष्ठी के दौरान शोधार्थियों ने अपने शोध भी प्रस्तुत किए। दूसरे दिन की संगोष्ठी की शुरुआत करते हुए मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्थित कालेज में प्रो. इंदुशेखर उपाध्याय कहा कि गंगा संरक्षण के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। राजकीय महाविद्यालय गोपेश्वर के असिस्टेंट प्रोफेसर वाइ सी नैनवाल ने कहा कि जल संरक्षण से भावी पीढ़ी की खुशहाली का रास्ता निकलता है। राजस्थान की शोध छात्रा आकांक्षा ने गंगा और पर्यटन पर विचार प्रस्तुत किए। राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डा. छाया चतुर्वेदी ने कहा कि नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा की स्वच्छता के लिए कई कार्यक्रम हो रहे हैं। संगोष्ठी में राजकीय महाविद्यालय लंबगांव के डा. एस के पांडेय, डा. विपिन शर्मा, प्रो. हरीश राम, संगोष्ठी समन्वयक डा. कनुप्रिया, डा. शरण, डा. श्याम कुमार, डा. दुर्गेश आदि ने विचार रखे।

नदियों में बढ़ता प्रदूषण खतरनाक

चलाकर फैक्ट्रियों के बाहर सड़क किनारे पर खड़े वाहनों के चालान काटे।

लक्सर। गंगा के मैदानी इलकों में बढ़ता जनसंख्या दबाव 'और इसके पारिस्थितिकीय प्रभाव विषय पर लक्सर के राजकीय डिग्री कॉलेज में ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने गंगा के दस किमी की परिधि में बसे गांवों, कस्बों व शहरों में एकमत से जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रोफेसर पीपी ध्यानी ने ऑनलाइन संगोष्ठी की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि गंगा नदी करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। लेकिन गंगा नदी बेसिन में बढ़ते जनसंख्या दबाव, अनियोजित नगरीकरण, औद्योगीकरण, वनों के अंधाधुंध कटान व गंगा के पानी के अनियमित दोहन से गंगा प्रदूषित हो रही है। कहा कि इस बारे में गंभीरता से काम करना होगा।

विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार पाठक ने कहा कि गंगा ही नहीं बल्कि करीब तीस नदियों से सटी बस्तियों की जनसंख्या बढ़ने के कारण लगातार प्रदूषित होती जा रही हैं। उद्योगों का वेस्ट मैटिरियल सीधे नदियों में डालने से स्थिति और भी ज्यादा गंभीर हो गई है। राजकीय पीजी कॉलेज ऋषिकेश के प्राचार्य प्रोफेसर पंकज पंत ने कहा कि नदियों में हमारी खुद की ही गलती की वजह से प्रदूषण बढ़ रहा है।

लक्सर राजकीय डिग्री कॉलेज की प्राचार्य डॉ. छाया चतुर्वेदी ने उत्तराखंड में सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ गंगा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. आरके वर्मा ने प्राकृतिक जल स्रोतों को बचाने के लिए इनके

स्कूली बच्चों ने स्वच्छता की शपथ ली

संवाद न्यूज एजेंसी

राजकीय महाविद्यालय में नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत पौधरोपण करते छात्र। -संवाद

लक्सर। नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत राजकीय महाविद्यालय के बच्चों ने परिसर में जैव विविधता वाटिका का निर्माण किया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने प्रांगण में पौधरोपण कर स्वच्छता की शपथ ली।

भुरनी खतीरपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य डॉ. आशुतोष शरण ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान हिंदी विभाग की ओर से स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी भाषा और साहित्य की भूमिका विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। इसके अलावा गंगा स्वच्छक स्वयंसेवी निशा, काजल, नेहा, निशा, रुबीना, रिया, प्रतीक, आर्यन आदि ने परिसर में जैव विविधता वाटिका का निर्माण किया।

इस दौरान उन्होंने गुड़हल, कनेर व गुलाब आदि के पौधे रोपे और पर्यावरण स्वच्छ रखने की शपथ भी ली। नोडल अधिकारी डॉ. एपी दुबे ने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को साफ सुथरा रखना है। इस मौके पर डॉ. कनुप्रिया, मोनू, संजीव, डॉ. शिवानी प्रजेश, अरविंद चौधरी श्याम कुमार आदि ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरके वर्मा ने किया।

छात्र-छात्राओं ने ली गंगा स्वच्छता की शपथ, किए हस्ताक्षर

संवाद न्यूज एजेंसी

लक्सर। नमामि गंगे अभियान के तहत राजकीय डिग्री कॉलेज में छात्रों को गंगा को मैला न किए जाने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान पौधे भी रोपे गए। बाद में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

भुरनी खतीरपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय में सोमवार को नमामि गंगे स्वच्छता पखवाड़े की शुरुआत दीप जलाकर की गई। मुख्य अतिथि दल्लावाला (खानपुर) के प्रभारी प्राचार्य डॉ. कुलदीप सिंह नेगी ने कहा कि हिंदू धर्म में गंगा मैया को आस्था के साथ पूजा जाता है, इसलिए गंगा को मैला न करने की शपथ लें।

लक्सर की प्राचार्य डॉ. छाया चतुर्वेदी ने कहा कि गंगा मैया के बिना हिंदू धर्म में मोक्ष प्राप्त नहीं होता है। गंगा नदी सबसे बड़ा जल स्रोत भी है। इसके बाद कॉलेज की छात्र-छात्राओं को गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और हस्ताक्षर अभियान की भी शुरुआत की गई। इस दौरान मोरपंखी के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। संचालन डॉ. आरके वर्मा ने किया। डॉ. एपी दुबे, डॉ. आशुतोष शरण, डॉ. श्याम कुमार, डॉ. कुनप्रिया, शिवानी, मोनू, अरविंद कुमार, बाबू, संजीव ने सहयोग दिया।

इन बच्चों को किया गया सम्मानित

प्रतियोगिता के विजयी छात्र-छात्राओं को मिले पुरस्कार

महिला दिवस पर हुई प्रतियोगिता में मानसी धीमान प्रथम, निशा देवी द्वितीय, काजल राणा तृतीय रहीं। हिंदी विभाग परिषद की ओर से ऑनलाइन-ऑफलाइन शिक्षण पर निबंध में मनीषा प्रथम, नगमा द्वितीय, मानसी धीमान तृतीय रहीं। आजादी का अमृत महोत्सव पर भाषण प्रतियोगिता में रिया प्रथम, नगमा द्वितीय, निशा देवी तृतीय रहीं। इन सभी को सम्मानित किया गया।

लक्सर राजकीय डिग्री कॉलेज में शपथ लेतीं छात्राएं। -संवाद

विभिन्न समाचार पत्रों में कार्यक्रम

राजकीय महाविद्यालय लक्सर हरिद्वार

नमामि गंगे

नमामि गंगे स्वच्छता पखवाड़ा 16 - 27 मार्च 2021

कार्यक्रम की रुपरेखा

1. स्वच्छ गंगा तथा वन संरक्षण की शपथ तथा हस्ताक्षर अभियान	15.03.2021	प्रात: 10.15
2. वृक्षारोपण तथा नमामि गंगा वाटिका का निर्माण	16-17.03.2021	प्रात:10.15
3. रंगोली पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता विषय - नमामि गंगा , जल संरक्षण ,वन संरक्षण	18.03.2021	प्रात:10.30
4. जन जागरूकता रैली ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में	19.03.2021	प्रात:9.30
5. निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता विषय- गंगा की महत्ता तथा जल संरक्षण	20.03.2021	प्रात:10.30
6. कार्यशाला विषय नमामि गंगा	22-23.03.2021	प्रात: 11.00
7. समीपस्थ नदी, तालाब, पोखरों तथा जल स्रोतों की स्वच्छता हेतु श्रमदान तथा वृक्षारोपण	24.03.2021	प्रात:10.15
8. नुक्कड़ नाटक तथा गंगा चौपाल	25.03.2021	प्रात: 10.30
9. फोटो गैलरी का अनावरण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम	26-27.03.2021	प्रात: 11.00

नोडल अधिकारी
ए.पी.दूबे

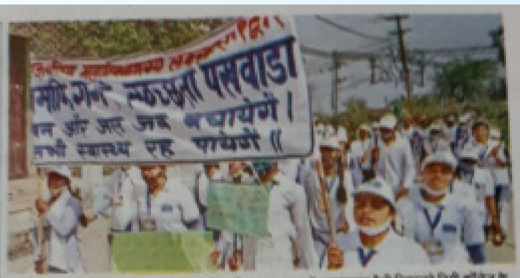

शुक्रवार को नमामि गंगे स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत लक्सर में जागरूकता रैली निकालते डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राएं • जागरण

देवभूमि में वनों और नदियों का मौजूदगी एक वरदान

रैली

- राजकीय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली
- कहा, नदियों को निर्मल रखना और वनों को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी

संवाद सूत्र, लक्सर: राजकीय महाविद्यालय लक्सर में चल रहे नमामि गंगे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नगर में जन जागरूकता रैली निकाली। उप जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने नगर के प्राचीन शिव मंदिर पर जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी ने कहा कि देवभूमि में नदियों और वनों की मौजूदगी किसी वरदान की तरह है। यहां की नदियों को स्वच्छ एवं निर्मल रखना और वनों को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा व सहायक नदियों का स्वच्छ व निर्मल बनाए रखने के लिए हो रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. छाया चतुर्वेदी ने कहा कि जल और वन नहीं होंगे तो जीवन भी नहीं बचेगा। जल और वन को बचाने के लिए गंभीरता से प्रयास करने की आवश्यकता है। नगर के प्राचीन शिव मंदिर से शुरू होकर जागरूकता रैली गोवर्धनपुर मार्ग, केशवनगर, हरिद्वार मार्ग, सोसाइटी मार्ग, बालावाली तिराहा से गुजरी। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने व्यक्तियों से जल एवं वन के संरक्षण की अपील की। इस दौरान नोडल अधिकारी डॉ. अंजनी प्रसाद दूबे, सचिव डॉ. कनुप्रिया, डॉ. श्याम कुमार, डॉ. आर के वर्मा, डॉ. आशुतोष शरण, शिवानी, प्रजेश, अरविंद कुमार, मोनू कुमार, बाबूराम आदि ने सहयोग किया।

छात्र-छात्राओं को दिलाई स्वच्छता की शपथ

शपथ

- राजकीय महाविद्यालय लक्सर में हुआ नमामि गंगे स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन

रुड़की,लोकसत्य।

आज राजकीय महाविद्यालय लक्सर में नमामि गंगे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत प्राचार्य, प्राध्यापकों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं को राजकीय महाविद्यालय खानपुर दल्लावाला के प्राचार्य प्रो. कुलदीप सिंह नेगी ने गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा छात्र-छात्राओं ने हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। मुख्य अतिथि डॉ. नेगी ने कहा कि जल ही जीवन है, इसे गम्भीरता से समझते हुए हमें अपने जल स्रोतों को स्वच्छ रखते हुए संरक्षण करना है। प्राचार्य डॉ. छाया चतुर्वेदी ने भी छात्र-छात्राओं से अपने गांव के साथ-साथ अन्य स्थानों पर भी जागरूकता अभियान चलाने का आहवान किया। मुख्य अतिथि डॉ. नेगी ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को क्रमशः मानसी धीमान, निशा देवी व काजल राणा को पुरस्कृत करने के साथ ही हिन्दी विभाग परिषद् की ओर से आयोजित निबंध प्रतियोगिता ऑनलाईन, ऑफलाईन क्लास में छात्रा मनीषा, नगमा व मानसी धीमान को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए पुरस्कृत किया। डॉ. नेगी ने महाविद्यालय में मोर पंखी के पौधों का रोपण करते हुए जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके उपरांत आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 9 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया और रिया रानी, नगमा, निशा देवी को पुरस्कार प्रदान किये गये। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों में डॉ. आशुतोष शरण, डॉ. अंजली प्रसाद दूबे, डॉ. तनुप्रिया, डॉ. श्याम कुमार तथा कार्यालय से शिवानी, ब्रजेश, अरविंद कुमार, मोनू, संजीव, बानो, राजकुमार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आर.के. वर्मा ने किया।

Dehradun 16-03-2021
http://epaper.loksatya.com/
लोकसत्य

रैली निकालकर नशे से दूर रहने का आह्वान

एनएसएस

पर्यावरण सुरक्षा रैली निकाली

नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

Well Press Publications, Roorkee Mob.:9412999793